पत्थरों को कर लो करेजा सुनियो अंतर्ध्यान बिटिया जात अबे लो को के पेटे नहीं समानी Bhajans Bhakti Song

पत्थरों को कर लो करेजा सुनियो अंतर्ध्यान
बिटिया जात अबे लो को के पेटे नहीं समानी
कातके करो बिरानी रे कातके करो विरानी रे
कर दयपीरे हाथ लाड़ली हो गई श्यानी रे

मंडप कलश अंगन में शो है
बंदनवार हरि रे
ओई मंडप तरे गाठजोड़ के हाथ करें है पीरै
बहै नैनन से पानी रे कर दय पीरे हाथ लाड़ली हो गई स्यानी
कात के करो विरानी रे करदयपीरे हाथ लाङली होगई स्यानीरे

हतोजीते आनंद उधर खा चली है करके सुनो
छोड़ चली ममता को आंचल दे गई है दुख दूनो
सनातन रीत पुरानी रे कर दे पीरे हाथ लाड़ली हो गई स्यानी रे
कात के करो बिरानी रे कर दयपीरे हाथ लाड़ली हो गई श्यानीरै

हे ईश्वर दुनिया में अभागन एक बिटिया एक गइया
परदेसी ले जावे चाहे या ले जाए कसैया
कहे ना मुख से बानी रे कर दयपीरे हाथ लाड़ली हो गई स्यानीरे
कातके करो बिरानी रे.....

संग की सखियां रोवत रह गई सब ने आशा छोड़ी
बाप मताई देत अशीशे अमर रहे जा जोड़ी
भजन कवि करुण कहानी करदयपीरे हाथ

Source: https://www.bharattemples.com/pathro-ko-kr-lo-kreja-suniyo-antdhyan/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw